

मुद्रा वनिमिय सुवधि

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बांग्लादेश ने अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये श्रीलंका के साथ 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर की मुद्रा वनिमिय सुवधि को मंजूरी दी है।

प्रमुख बिंदु

परिचय

- करेंसी स्वैप अथवा मुद्रा वनिमिय का आशय दो देशों के बीच पूर्व नरिधारित नियमों और शर्तों के साथ मुद्राओं के आदान-प्रदान हेतु किये गए समझौते या अनुबंध से है।
- वर्तमान संदर्भ में मुद्रा स्वैप को प्रभावी रूप से ऋण के रूप में देखा जा सकता है, जो बांग्लादेश द्वारा श्रीलंका को डॉलर के रूप में दिया जाएगा, साथ ही इसमें यह समझौता भी शामिल है कि ऋण और उसके साथ ब्याज का भुगतान श्रीलंकाई रुपए में किया जाएगा।
- केंद्रीय बैंक और संबंधित देश की सरकारों द्वारा अल्पकालिक वदेशी मुद्रा तरलता आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये या भुगतान संतुलन (BoP) संकट से बचने के लिये पर्याप्त वदेशी मुद्रा सुनिश्चित करने हेतु वदेशी समकक्षों के साथ मुद्रा स्वैप समझौता किया जाता है।
 - यह समझौता श्रीलंका के लिये बाजार से उधार लेने की तुलना में काफी सस्ता है, और काफी महत्त्वपूर्ण भी है, क्योंकि श्रीलंका वदेशी ऋणों के साथ-साथ पर्याप्त वदेशी मुद्रा भंडार बनाए रखने के लिये संघर्ष कर रहा है।
- इन वनिमिय समझौतों में वनिमिय दर या अन्य बाजार संबंधी जोखिमों का कोई खतरा नहीं रहता है, क्योंकि लेनदेन की शर्तें अग्रिम रूप से नरिधारित होती हैं।
 - वनिमिय दर जोखिम, जिसे मुद्रा जोखिम के रूप में भी जाना जाता है, का आशय वदेशी मुद्रा के वरिद्ध आधार मुद्रा के मूल्य में उतार-चढ़ाव से उत्पन्न होने वाले वित्तीय जोखिम से है।

बांग्लादेश की असामान्य स्थिति

- बांग्लादेश को अब तक अन्य देशों के लिये वित्तीय सहायता प्रदाता के रूप में नहीं देखा जाता था, यह दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक रहा है और अभी भी अन्य देशों से अरबों डॉलर की वित्तीय सहायता प्राप्त करता है।
- लेकिन पछिल्ले दो दशकों में बांग्लादेश अपनी अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण सुधार करने में कामयाब रहा है और वर्ष 2020 में दक्षिण एशिया में सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आया है।
 - बांग्लादेश ने देश के लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में सफलता हासिल की है। इसने प्रतिव्यक्ति आय के मामले में भारत को पीछे छोड़ दिया है।
- यह पहली बार है कि बांग्लादेश किसी दूसरे देश की मदद के लिये सामने आया है, इसलिये इस घटना को एक प्रकार से ऐतिहासिक माना जा सकता है।

भारत के लिये श्रीलंका का दृष्टिकोण

- वर्ष 2020 में श्रीलंका के राष्ट्रपति ने भारत से 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर के क्रेडिट स्वैप का अनुरोध किया था, साथ ही उन ऋणों पर स्थगन की भी मांग की थी, जो श्रीलंका को भारत को चुकाना है।
- लेकिन कोलंबो बंदरगाह पर एक महत्त्वपूर्ण कंटेनर टर्मिनल परियोजना को रद्द करने के कोलंबो के फ़ैसले पर भारत-श्रीलंका संबंध तनावपूर्ण रहे हैं, जिससे भारत ने क्रेडिट स्वैप के नरिणय को टाल दिया है।
- इससे पूर्व जुलाई 2020 में भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) ने श्रीलंका को 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर की क्रेडिट स्वैप सुवधि प्रदान की थी और इस सौदे को सेंट्रल बैंक ऑफ़ श्रीलंका ने फरवरी माह में नपिटा दिया था। इस सुवधि को आगे नहीं बढ़ाया गया।

सारक के लिये स्वैप सुवधियों हेतु रज़िर्व बैंक की रूपरेखा

- सारक मुद्रा वनिमिय सुवधि 15 नवंबर, 2012 को लागू हुई थी।
- संशोधित रूपरेखा 14 नवंबर, 2019 से 13 नवंबर, 2022 तक वैध है।
- भारतीय रज़िर्व बैंक 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के समग्र कोष के भीतर एक स्वैप व्यवस्था की पेशकश करता है।

- स्वैप व्यवस्था का उपयोग अमेरिकी डॉलर, यूरो या भारतीय रुपए में किया जा सकता है। यह रूपरेखा भारतीय रुपए में स्वैप निकासी के लिये कुछ रियायत भी प्रदान करती है।
- यह सुवधा सभी सार्क सदस्य देशों के लिये उपलब्ध होगी, बशर्ते उन्हें द्विपक्षीय स्वैप समझौतों पर हस्ताक्षर करना होगा।
- अनुमान यह था कि क्षेत्रीय समूह की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में केवल भारत ही ऐसा कर सकता है। हालाँकि बांग्लादेश-श्रीलंका व्यवस्था दर्शाती है कि अब स्थितियाँ परिवर्तित हो चुकी हैं।

भुगतान संतुलन

परभाषा

- किसी देश के भुगतान संतुलन (BoP) को आमतौर पर एक वर्ष की वशिष्ट अवधि के दौरान शेष विश्व के साथ किसी देश के सभी आर्थिक लेनदेन के व्यवस्थित विवरण के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
- समग्र तौर BoP खाता अधशेष या घाटा हो सकता है।
 - यदि घाटा होता है तो उसे विदेशी मुद्रा खाते से पैसे लेकर नपिटाया जा सकता है।
 - यदि विदेशी मुद्रा खाते का भंडार कम हो रहा है तो इस परिदृश्य को BoP संकट के रूप में जाना जाता है।

भुगतान संतुलन के घटक

- **चालू खाता:** यह दृश्य एवं अदृश्य वस्तुओं (वस्तुओं और सेवाओं) के निर्यात और आयात को दर्शाता है।
- **पूंजी खाता:** यह एक देश के पूंजीगत व्यय और आय को दर्शाता है। यह एक अर्थव्यवस्था में निजी और सार्वजनिक निवेश दोनों के शुद्ध प्रवाह का सारांश देता है।
- **त्रुटि एवं चूक:** कभी-कभी भुगतान संतुलन संतुलित नहीं होता है। इस असंतुलन को भुगतान संतुलन में त्रुटियों और चूक के रूप में दिखाया जाता है।

विदेशी मुद्रा भंडार

- विदेशी मुद्रा भंडार एक विदेशी मुद्रा में निहित संपत्ति है, जो एक केंद्रीय बैंक के पास होती है।
- इनमें विदेशी मुद्राएँ, बॉण्ड, ट्रेजरी बिल और अन्य सरकारी प्रतिभूतियाँ शामिल हो सकती हैं।
- इन भंडारों का उपयोग देनदारियों को वापस करने और मौद्रिक नीति को प्रभावित करने के लिये किया जाता है।

स्रोत: द हद्दि